



HIMACHAL PRADESH JICA AGRICULTURE PROJECT



DAILY DIARY

HAMIRPUR: 21 APRIL, 2026



जायका-इंडिया ने कृषि और ग्रामीण आजीविका में हिमाचल सरकार के साथ निरंतर सहयोग की प्रतिबद्धता जताई जायका-इंडिया के प्रमुख श्री ताकेउची ने डॉ. सुनील चौहान के नेतृत्व की सराहना की और HPCDP प्रोजेक्ट-II को जाइका पोर्टफोलियो के लिए एक 'मॉडल प्रोजेक्ट' बताया।

हमीरपुर, 21 अप्रैल : जापान इंटरनेशनल को ऑपरेशन एजेंसी (जायका) ने टिकाऊ कृषि और ग्रामीण आजीविका को और मजबूत करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ निरंतर सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह बात जाइका-इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि श्री ताकेउची ताकुरो ने पिछले सोमवार (20 अप्रैल, 2026) को जायका-ओडीए के तहत चल रहे 'हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II' (एचपीसीडीपी-II) के परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान को भेजे गए प्रशंसा पत्र में कही।

जायका-इंडिया प्रमुख ने कहा, "यह उल्लेखनीय है कि एचपीसीडीपी-I जायका पोर्टफोलियो के भीतर एक मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में उभरा है, जिसमें अन्य क्षेत्रों में भी दोहराए जाने की प्रबल क्षमता है।" श्री ताकेउची ने आगे कहा कि इन परिणामों को प्राप्त करने में आपका (डॉ. सुनील चौहान का) व्यक्तिगत समर्पण, पेशेवर सक्षमता और रणनीतिक दृष्टि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपकी पूरी टीम का समर्पण भी समान रूप से सराहनीय है।



बता दें कि श्री ताकेउची ने 26 फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में जाइका मिड-टर्म रिव्यू मिशन के टीम लीडर के रूप में दौरा किया था और फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में आयोजित 'टिकाऊ कृषि और कृषि-व्यवसाय विकास' पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में भी भाग लिया था।

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (एचपीसीडीपी-II) को भेजे गए अपने प्रशंसा पत्र में, श्री ताकेउची ने परियोजना के कार्यान्वयन में डॉ. सुनील चौहान और उनकी टीम द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय नेतृत्व की तहे दिल से सराहना की।

जायका-इंडिया प्रमुख ने कहा कि हाल ही में आयोजित मिड-टर्म रिव्यू मिशन के दौरान उन्होंने देखा कि परियोजना अपने निर्धारित विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति कर रही है, विशेष रूप से सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और राज्य भर के किसान समुदायों की आजीविका को बढ़ाने में।

श्री ताकेउची ने 24 से 26 फरवरी 2026 तक "भारत में टिकाऊ कृषि और कृषि व्यवसाय विकास" पर जायका-सहायता प्राप्त परियोजनाओं की पहली राष्ट्रीय कृषि कार्यशाला को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए डॉ. सुनील चौहान के नेतृत्व की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला ने ज्ञान के आदान-प्रदान और नीतिगत संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया। उन्होंने आगे कहा कि कार्यशाला की सभी हितधारकों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई, जो इस परियोजना के बढ़ते राष्ट्रीय महत्व को दर्शाता है।